उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

संगीत (तबला)
(विषय कोड–27)

1. पारिभाषिक शब्दावली :

नाद, श्रुति, स्वर, जाति, राग, ताल, गमक, वर्ण, अलंकार, मेलोडी, हार्मनी, स्वर–सप्तक, सुसंवाद, विसंवार/ ताल से सम्बंधित पाश्चात्य एवं कर्नाटक पारिभाषिक शब्दावली एवं उनका वर्णन, प्रबन्ध, ध्रुपद, ख्याल, धमार, ठुमरी, टप्पा, तराना।

ताल, मात्रा, सम, विभाग, ताली या भरी, खाली, लय, बोल, ठेका, आवृत्ति या आवर्तन, किस्म, तिहाई (दमदार एवं बेदम), बांट, रेला, रौ, लग्गी, लड़ी, उठान, पेशकारा, कायदा, पल्टा, मुखड़ा या मोहरा, गत, दुपल्ली–गत, तिपल्ली–गत, चौपल्ली–गत, गत, फर्द, गत–कायदा, टुकड़ा, परन या परण, चक्रदार, साधारण चक्रदार, फरमाइशी चक्रदार, कमाली चक्रदार।

गतो के प्रमुख प्रकार, परन एवं उनके प्रकार

2. प्रयोगात्मक शास्त्र :

हिन्दुस्तानी संगीत में प्रचलित तालों का विस्तृत ज्ञान, ताल के दश प्राणों एवं प्राचीन काल के मार्ग तथा देशी तालों का ज्ञान, तिहाई निर्माण के मूल सिद्वान्त, चक्रदार गत, चक्रदार परन, ताल के दश प्राणों के संदर्भ में हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक तालों का विस्तृत अध्ययन, विभिन्न लयकारियों–दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़, बिआड एवं गणितीय लयकारी के कियात्मक प्रयोग सम्बन्धित विस्तृत जानकारी।

3. चक्रदार के रचना सिद्धांत :

साधारण चक्रदार, फरमाइशी चक्करदार कमाली चक्करदार एवं नौहक्का

ताल रचना के सिद्धान्त

4. घराना और बाज :

हिन्दुस्तानी संगीत में घराना का उद्गम और विकास एवं पारस्परिक हिन्दुस्तानी संगीत की प्रगति तथा संरक्षण में घरानों का सहयोग। घराना पद्धति के गुण–दोष।

तबला के प्रमुख घरानों का अध्ययन। वर्तमान संगीत में घरानों की आवश्यकता तथा संभावनाएं।

विभिन्न शैलियां और गुरू–शिष्य परम्परा।

तबला की उत्पत्ति एवं विकास, तबला का बाज एवं घराना।

5. भारतीय संगीत के शास्त्रज्ञों का योगदान एवं उनकी शास्त्रात्मक परम्परा :

नारद, भरत, दत्तिल, मतंग, शारंगदेव, रामामात्य, पुंडरीक विट्ठल, सोमनाथ, अहोबल, व्यंकटमखी, श्रीनिवास, पं0 भातखण्डे, पं0 डी0बी0 पलुस्कर।

अवनद्य वाद्य सम्बन्धित प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक गंथों–भरत नाटयशास्त्र, संगीत समयसार, राधागोविन्द संगीत सार, मदरूल मौसीकी, भारतीय वाद्यों का इतिहास, संगीत शास्त्र, भारतीय संगीत में ताल और रूप, अभिनव ताल मंजरी, भारतीय संगीत वाद्य एवं अन्य ग्रंथ्र। प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल के अवनद्य वाद्यों के विशेषज्ञ जैसे, कुदऊ सिंह, भगवान दास, राजा छत्रपति सिंह, पं0अनोखे लाल मिश्र, उ0 अहमद जान थिरकवा,

SARKARIRESULT.COM

पं0शामता प्रसाद, पं0किशन महाराज उ0 अल्लारखों खा, पं0 सुरेश तलवलकर, उ0 जाकिर हुसैन इत्यादि।

वर्तमान में तबला विषय पर लिखित महत्वपूर्ण पुस्तकों का अध्ययन, भारतीय संगीत वाद्य, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन ताल कोष परवावज व तबले के घराने व परम्परायें, तबले की उत्पत्ति, विकास व वादन शैलियां, तबला, तबला–वादन कला और शास्त्र

6. सौन्दर्यशास्त्र :

सौन्दर्यशास्त्र के सिद्वान्त एवं भारतीय संगीत से सम्बन्ध। रस सिद्वान्त एवं भारतीय संगीत में इसका प्रयोग। संगीतोपयोगी छंदों का विस्तृत अध्ययन।

7. वाद्य :

हिन्दुस्तानी संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्य, उनकी उत्पत्ति, विकास तथा सुप्रसिद्व कलाकार।

हिन्दुस्तानी संगीत के वाद्यों का वर्गीकरण।

8. लोक संगीत :

भारतीय संगीत पर लोक संगीत का प्रभाव।

9. संगीत शिक्षण एवं शोध तकनीक :

संगीत शिक्षण के संदर्भ में इलेक्ट्रानिक यंत्रों एवं शिक्षण में प्रयुक्त की जाने वाली सहायक सामग्री की प्रयोगात्मकता।

संगीतात्मक शोध के अन्र्तगत संक्षेपिका, सामग्री संकलन, क्षेत्रीय कार्य, प्रोजेक्ट रिपोर्ट लेखन, संदर्भ ग्रन्थ सूची, संदर्भ सामग्री आदि से सम्बन्धित शोध विधियां अथवा शोध प्राविधि।

10. निम्न तालों का विस्तृत अध्ययनः

तीनताल, झपताल, रूपक, सूलताल, चारताल, एकताल, तीवरा, धमार, दीपचंदी, आड़ाचारताल, दादरा, कहरवा, रूद्र, पंचम सवारी, लक्ष्मी, शिखर, ब्रहम, तिलवाड़ा, झूमरा, पश्तो, बड़ी सवारी, फरोदस्त।

SARKARIRESULT.COM

U. P. HIGHER EDUCATION SERVICES COMMISSION, PRAYAGRAJ

Syllabus

MUSIC (TABLA)
(Subject Code-27)

1. Technical-Terminology

Nada, Shruti, Swara, Grama –Jati, Raga, Tala, Gamak, Marga – Deshi, Gaan, Varna, Alankar, Melody, Harmony, Musical Scales, Consonance – Dissonance, Western and South Indian terminology and their explanation according to taal, Uthan, Peshkar, Kayda, Rela, Laggi, Ladi, Farshbandi, Tala, Laya, Matra, Avartan, Vibhag, Sashabda Kriya, Nishabda Kriya, Theka, Saral Gat, Adi Gat, Chakradar Gat. Prabandha, Dhrupad, Khyal, Dhamar, Thumri, Tappa and Tarana.

2. Applied theory

Detailed knowledge of prevalent talas of Hindustani music, knowledge of tala Dashpranas and Marga and Deshi talas of ancient period, the original principles of making Tihai, Chakradar Paran, comparative study of Hindustani and Karnatak tala system with special reference to ten pranas of tala, detailed study of different layakaris viz, Dugun, Tigun, Chaugun, Ada, Kuada, Viada and methodically to apply them in compositions.

3. Principles of composing Chakradar (Sadharan, Farmaishi, Kamali and Nauhakka)
Principle of "Taal Rachna"

4. Gharanas and Baj

Origin and Development of Gharanas in Hindustani Music and their contribution in reserving and promoting traditional Hindustani Classical Music. Merits and demerits of Gharana System.

Study of the traditions and specialities of different gharanas and Baj of Tabla. Desirability and possibility of gharanas in contemporary music. Importance of Guru Shishya parampara.

5. Contribution of Scholars to Indian Music and their textual tradition

Narad, Bharat, Dattil, Matanga, Sharangadeva, Ramamatya, Pundarik Vitthal, Somnath, Ahobal, Vynkatmakhi, Sriniwas, Pt. Bhatkhande, Pt. V. D. Paluskar.

Study of ancient, medieval and modern treatises in Percussion instruments like Bharat Natyashastra, Sangeet Samaysar, Radha Govind Sangit Sar, Madrul Mosiqui, Bhartiya Vadyon Ka Itihas, Sangeet Shastra, Bhartiya Sangeet Mei Taal aur Roop, Abhinav Tala Manjari, Bhartiya Sangeet Vadya, and other treatises. Contribution of various Scholars to percussion instruments like Kudau Singh, Bhagwan Das, Raja Chatrapati Singh, Pt. Anokhe Lal Mishra, Ahmadjan thirakwa, Pt. Shamta Prasad, Pt. Kishan Maharaj, Ud. Allarakha Khan, Pt. Suresh Talwalkar, Ud. Zakir Hussain etc.

Study of important book of Tabla in present time

Bhartiya Sangeet Vaddhya , Bhartiya Taalo ka Shastriya Vivechan, Taal Kosh, Pakhawaj ewam Tabla ke Gharane wa Pramparayen

6. Aesthetics

Rasa theory and its application to Indian Music. Relationship of Musical aesthetics and Rasa to Hindustani Music. Study in detail the musical used Chhand

7. Instruments

Origin, evolution, structure of various instruments and their well – known exponents of Hindustani Music. Classification of Instruments of Hindustani Music.

8. Folk Music

Influence of folk music on Indian Classical Music.

SARKARIRESULT.COM

9. Music Teaching and Research Technologies

Utility of teaching aids like electronic equipments in music education.

The methodologies of music research, preparing synopsis, data collection, field work, writing project reports, finding bibliography, reference material etc.

10. Detailed study of the following Taals :

Teental, Jhaptal, Rupak, Sooltal, Chartal, Ektal, Teevra, Dhamar, Deepchandi, Asa chartal, Dadra, Kharva, Rudra, Pancham Sawari, Laxmi, Shikhar, Brahma, Tilwada, Jhoomra, Pashto, Badi sawari.

SARKARIRESULT.COM